

प्राप्तक,

आरुंधतीपालीवाल,
सचिव न्याय एवं विधि परामर्श
उत्तराखण्ड शासन

सेवा में

निदेशक,
उत्तराखण्ड न्यायिक एवं विधिक अकादमी,
भवाली, नैनीताल ।

न्याय अनुभाग-1

वेहरादून : दिनांक 21 जनवरी, 2010

विषय- उत्तराखण्ड न्यायिक एवं विधिक अकादमी, भवाली नैनीताल को लिये सृजित अस्थायी पदों की निरन्तरता बढ़ाया जाना ।

महोदय,

अभ्युक्त विषयक कार्यालय ज्ञाप संख्या- 1-एक (10) धर्तीस (1) / न्याय अनु0/2004 दिनांक 28-10-2004 एवं शासनादेश संख्या- 1-एक (10) / धर्तीस (1) / 2005-583 / 01 दिनांक 31-10-2005 द्वारा उत्तराखण्ड न्यायिक एवं विधिक अकादमी भवाली नैनीताल हेतु सृजित अस्थायी पदों के अनुक्रम में शासनादेश संख्या- 30/XXXVI(1) एक / 08-583 / 2001 दिनांक 8 फरवरी 2003 के संदर्भ में लुप्त यह कहने का निर्देश हुआ है कि श्री राज्यपाल, उत्तराखण्ड न्यायिक एवं विधिक अकादमी, भवाली नैनीताल को लिये अस्थायी रूप से सृजित सभी पदों की निरन्तरता वर्तमान शासी एवं प्रतिबन्धी की अधीन यदि ये बिना पूर्ण सूचना के पहले ही समाप्त न कर दिये जाएं, दिनांक 1-3-2010 से 28-2-2011 तक बढ़ाये जाने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करने है ।

2- उक्त पर होने वाला व्यव आगामी वित्तीय वर्ष 2010-2011 के आय-व्यय के अनुदान संख्या- 04 के अन्तर्गत लेखासीमिक "2014-न्याय प्रशासन-00-आयोजनाएं-000-अन्व व्यय-09 उत्तराखण्ड न्यायिक एवं विधिक अकादमी-00" के अन्तर्गत सुसंगत प्राथमिक इकाइयों के रूप में डाला जायेगा ।

3- यह आदेश वित्त विभाग के कार्यालय ज्ञाप संख्या- ए-1-1270/78-दस, दिनांक 20 जुलाई, 1988 संघटित कार्यालय ज्ञाप संख्या- ए-2-877/दस-92-24(8)/92 दिनांक 7-11-92 (यथा उत्तराखण्ड राज्य में प्रवृत्त) द्वारा प्रशासकीय विभागों को प्रतिनिधित्व किये गये अधिकारों के अन्तर्गत प्रसारित किये जा रहे हैं ।

भवदीय,

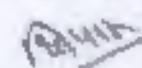
(आरुंधतीपालीवाल)
सचिव

संख्या- 14(1) / XXXVI(1) एक / 10-583 / 2001 समदिनांकित

प्रतिलिपि निर्मातांकित को सूचना एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

- 1- महासंचालक (लेखा एवं हकदारी) उत्तराखण्ड माअर, देहरादून ।
- 2- महासचिव, माउ उत्तराखण्ड उच्च न्यायालय, नैनीताल ।
- 3- परिष्ट कोषाधिकारी नैनीताल ।
- 4- वित्त अनुभाग-5/कार्मिक अनुभाग/एन0आई0सी0/माई कार्डित ।

आज्ञा से


(आरुंधतीपालीवाल)
अनु सचिव